

एचइसी क्षेत्र के मुड़मा मौजा में 60 एकड़ पर हो रहा निर्माण अब भाड़े के भवन में नहीं चलेगा आइआइएम रांची, मिला ठिकाना

अच्छी खबर

- चहारदीवारी का काम पूरा, अब शुरू होगा भवन निर्माण का काम
- अभी सूचना भवन में चल रही कक्षाएं, खेलगांव परिसर में है छात्रावास

मुख्य संवाददाता > रांची

झारखंड का प्रतिष्ठित संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आइआइएम) रांची अब भाड़े के भवन में नहीं चलेगा. इस संस्थान को अपना स्थायी ठिकाना बनाने के लिए एचइसी एरिया में 60 एकड़ जमीन मिल चुकी है, जहां भव्य भवन बनाने का काम शुरू हो चुका है. उम्मीद है कि वर्ष 2020 तक यह भवन बन कर तैयार हो जायेगा. नया भवन बनाने में लगभग 330 करोड़ रुपये की लागत आयेगी.

वर्ष 2010 से ही आइआइएम रांची जमीन की तलाश में जुटा था. अथक प्रयास के बाद एचइसी एरिया में सरकार ने जमीन उपलब्ध करायी है. यहां चहारदीवारी बनाने का काम पूरा हो चुका है. अब प्रशासनिक भवन बनाने का काम शुरू कर दिया गया है. गौरतलब है कि अपने स्थापना काल से लेकर अब तक आइआइएम रांची भाड़े के भवन में ही चल रहा है. फिलहाल, राज्य सरकार के सूचना भवन में आइआइएम रांची की कक्षाएं चल रही हैं. सूचना भवन के दो फ्लोर पर कक्षाएं और प्रशासनिक भवन हैं. वहीं, सरकार की ओर से संस्थान में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के लिए खेलगांव परिसर में छात्रावास की



एचइसी क्षेत्र में इंस्टीट्यूट का भव्य कैम्पस बनाया जा रहा है.



आइआइएम भवन का नक्शा.

इन भवनों का होगा निर्माण

1. तीन प्रशासनिक भवन	2502 वर्ग मीटर
2. सेमिनार हॉल	2486 वर्ग मीटर
3. स्टूडेंट्स छात्रावास	2800 वर्ग मीटर
4. स्टूडेंट्स डाइनिंग हॉल	1343 वर्ग मीटर
5. निदेशक आवास	310 वर्ग मीटर
6. दो फैकल्टी ब्लॉक	1420 वर्ग मीटर
7. सर्विस ब्लॉक	1400 वर्ग मीटर
8. स्टाफ क्वार्टर (ब्लॉक-ए)	425 वर्ग मीटर
9. स्टाफ क्वार्टर (ब्लॉक-सी)	425 वर्ग मीटर

आइआइएम का भव्य कैम्पस बन रहा है. काम चल रहा है. दिसंबर 2020 तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. प्रयास यह है कि मेरे ही कार्यकाल में आइआइएम का नया कैम्पस हो जाये.

प्रो शैलेंद्र सिंह, निदेशक आइआइएम रांची

सुविधा भी दी गयी है.

पहले चरण में प्रशासनिक भवन के अलावा कंप्यूटर लैब आदि बनेंगे: पहले चरण में प्रशासनिक भवन, छात्रावास, डाइनिंग हॉल (विद्यार्थियों के लिए), डाइनिंग हॉल (कर्मचारियों के लिए), फैकल्टी ब्लॉक, लाइब्रेरी, बिजली सब स्टेशन, कंप्यूटर लैब, फैकल्टी के रहने का आवास, स्टाफ आवास (ए ब्लॉक और सी ब्लॉक), निदेशक का आवास और अन्य बुनियादी सुविधाएं

विकसित की जायेंगी.

इन पाठ्यक्रमों की होती है पढ़ाई: आइआइएम रांची में पीजी डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट मैनेजमेंट (पीजीडीएचआरएम), पीजी डिप्लोमा इन मार्केटिंग मैनेजमेंट (पीजीडीएम) के अलावा एग्जिक्यूटिव स्तर के भी कई कोर्स कराये जाते हैं. वहीं, शोध से जुड़े कोर्स भी संचालित किये जा रहे हैं. **1150 मजदूर लगे हैं निर्माण कार्य में:** आइआइएम के नये कैम्पस के निर्माण

कार्य में लगभग 1150 मजदूर जुटे हैं. रात-दिन काम चल रहा है. कुल 13 ब्लॉक बनाये जाने हैं.

नगड़ी में भी तोड़ दी गयी थी चहारदीवारी: वर्ष 2012 में कांके के नगड़ी में आइआइएम रांची को 76 एकड़ जमीन भी मिली. करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद चहारदीवारी का निर्माण भी कराया गया. लेकिन ग्रामीणों ने जमीन देने का विरोध शुरू कर दिया और चहारदीवारी भी तोड़ दी.